Navbharat

Vandrevala Foundation

Date: 07-03-2011 | Edition: Mumbai | Page: 2 | Source: Bureau | Clip size (cm): W: 12 H: 10

Clip: 1 of 1

आत्महत्या रोकने अनोखी पहल

- **मुंबई में 24 घंटे सहायता केंद्र उपलब्ध**
- **डॉ. जान ने किया वांद्रेवाला फाउंडेशन का गठन**

कार्यालय संवाददाता

मुंबई. मुंबई में आर्थिक संपन्नता के बावजूद लोगों को मानसिक शांति नहीं है. पारिवारिक या अन्य कारणों से लोग परेशान हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि इन्हीं सब कारणों से शहर में आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं. आत्महत्या करने वालों में छात्रों की भी बड़ी तादाद है. स्कूल के काम से तनाव, परीक्षा या नौकरी में अपेक्षित सफलता न मिलने से निराश कई बच्चे आत्महत्या करने को मजबूर हो जाते हैं. हाल ही में मीरा रोड में रहने वाली एक बच्ची ने 10वीं की परीक्षा से एक दिन पहले ही घबराकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली. इसी परेशानी से निपटने के लिए डॉ. अरुण जॉन ने वांद्रेवाला फाउंडेशन नाम की एक संस्था बनाई है. यह संस्था साल के 365 दिन और 24 घंटे लोगों को सलाह देती है. पिछले दिनों फाउंडेशन की ओर से एक सेमिनार भी आयोजित किया गया था, जिसमें टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के डॉ. एस. परशुरामन, बॉबे साइकियाट्रिक सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. हेलन शाह, एमैनुएल हॉस्पिटल एसोसिएशन के कार्यकारी निदेशक डॉ. संतोष मैथ्यू आदि ने हिस्सा लिया. सेमिनार में विशेष तौर पर मुंबई के कई कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को भी आमंत्रित किया गया था, ताकि पठन-पाठन में छात्रों के साथ किस तरह का बर्ताव किया जाए, इसकी जानकारी दी जा सके. केसी कॉलेज की प्रधानाचार्या प्रो. मंजू नीचानी ने बच्चों की मानसिक स्थिति पर विस्तार से प्रकाश डाला. सेमिनार में उपस्थित सभी लोगों ने फाउंडेशन के कार्यों की सराहना की और कहा कि इस तरह के सामाजिक काम में लोगों को आगे बढ़कर काम करना चाहिए. लोगों की सहायता के लिए टेलीफोन क्रमांक 25706000 के साथ फाउंडेशन की सेवा 24 घंटे उपलब्ध है.